Result Mitra Daily Magazine

भूतिया नौकरियाँ

➢ हालिया संदर्भ :

- वर्तमान में ऐसी परिस्थितियों में, जब वैश्विक स्तर पर बडे पैमाने पर कर्मचारियों की छँटनी हो रही है, विभिन्न कंपनियों द्वारा नौकरियों का ऑनलाइन आवेदन निकालना नौकरी चाहने वालों के लिए खुशखबरी हो सकता है, लेकिन ऐसी नौकरियाँ अगर वास्तव में उपलब्ध ही न हो तो यह बेदह नुकसानदायक हो सकता है।

➢ Ghost Jobs (भूतिया नौकरियाँ)

- भूतिया नौकरियों को घोटाला नहीं कहा जा सकता है, लेकिन ये ऐसी नौकरियाँ होती है, जो अक्सर बडे संगठनों एवं कंपनियों द्वारा ऑनलाइन प्रदर्शित की जाती है, लेकिन ये वास्तविक रूप में उपलब्ध नहीं होते है।
- ऐसा संभव है कि इन कंपनियों द्वारा पूर्व में संबंधित पदों पर भर्तियाँ कर रही हो, लेकिन बजट में कटौती या अन्य निर्णयों के कारण इस पर रोक लगा दी गई हो। हालांकि नौकरियों की ऑनलाइन लिस्टिंग बनी रहती है और लोग आवेदन करते रहते हैं।
- ऐसी स्थिति में नौकरी चाहने वालों को धोखा मिलता है, जो अर्थव्यवस्था के रोजगार-बेरोजगारी आंकडों के दृष्टिकोण से सही नहीं है।
- हाल के वर्षों में भूतिया नौकरी के मामलों में वृद्धि देखी गई है, क्योंकि लोग ऑनलाइन नौकरियों की तलाश करते हैं।

- एक रिपोर्ट के अनुसार 40% कंपनियों ने माना कि उन्होंने नकली नौकरी के लिये ऑनलाइन पोस्ट डाले है, जबकि 30% कंपनियों ने माना कि उन्होंने ऐसे भूमिकाओं (Post) के लिये ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं, जो वास्तव में कंपनी में मौजूद भी नहीं है।
- कई बार नकारात्मक प्रवृत्ति वाले संगठनों ने नौकरी चाहने वाले आवेदकों से व्यक्तिगत जानकारियाँ भी प्राप्त कर ली है, जो ऑनलाइन देश की गोपनीयता एवं संवेदनशीलता की दृष्टिकोण से सही नहीं है।
- रिपोर्ट बताती हैं कि कई कंपनियों ने माना कि उनके मानव संसाधन विभाग, वरिष्ठ प्रबंधन एवं निवेशकों द्वारा भी फर्जी जॉब स्कीम का प्रस्ताव दिया गया है क्योंकि न केवल यह नैतिक रूप से स्वीकार्य है, बल्कि कंपनी के लिये लाभदायक भी है।

➢ बढती भूतिया नौकरियों के कारण :

- कुछ संगठन फर्जी लिस्टिंग (नौकरी) का सहारा विकल्प खुले रखने के लिये लेते हैं, जैसे कोई Dating App उपयोगकर्ता भले ही उसे Follow न कर रहा हो, लेकिन अपना प्रोफाइल खुला रखता है।
- कई बार कंपनियाँ अच्छे उम्मीदवारों को नौकरी देने के लिये इच्छुक रहती है, भले ही उसे तुरंत ज्वाइनिंग न दे।
- इसके अलावा ये Waiting List की तरह कार्य करते हैं, जिससे जरूरत पडने पर कंपनियों द्वारा प्रतिभावान लोगों को तुरंत नौकरी पर रखा जा सके।
- साथ ही लोकप्रिय साइटों पर नियमित नौकरी के लिये पोस्टिंग से कंपनी की बाजार-पहुँच भी बढती है और इस धारणा को भी मजबूती मिलती है कि संगठन ग्रोथ कर रहा है, जो निवेशकों और ग्राहकों को कंपनी के प्रति सकरात्मकता की ओर ले जाता है।
- कई बार कंपनियाँ बाजार के बारे में जानने की इच्छा से फर्जी नौकरियों की लिस्टिंग करती है ताकि उन्हें नौकरी चाहने वालों के कौशल, अनुभव एवं सैलरी-अपेक्षा को समझने में मदद मिले।
- इसके अलावा 60% कंपनियाँ अपने यहाँ कार्यरत कर्मचारियों को यह विश्वास दिलाने के लिये फर्जी नौकरियाँ निकाली जाती है कि नए लोगों के आने के बाद उनका कार्यभार कम हो जाएगा।
- साथ ही 62% कंपनियों ने माना कि वे अपने कर्मचारियों में डर पैदा करने के लिये फर्जी नौकरियाँ पोस्ट की कि उन्हें कभी भी हटाया जा सकता है।

➢ जॉब मार्केट पर प्रभाव :

- ये अवास्तविक भर्ती प्रवृत्ति दिखाता है, जिससे अर्थशास्त्रियों को रोजगार की वास्तविक स्थिति का पता लगाने में मुश्किलों का सामना करना पडता है।

Result Mitra TM

- अमेरिका में छँटनी का दौर चल रहा है, लेकिन VS ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स की रिपोर्ट के अनुसार वहाँ 8.18 मिलियन जॉब ओपनिंग की संभावना बताई गई है।
- सर्वे की रिपोर्ट एवं वास्तविक हकीकत USA में नीति निर्माताओं के लिये श्रम बाजार की वास्तविक स्थिति को समझ पाना मुश्किल कर दिया है।

➢ पहचान के तरीके :

- अगर नौकरी के लिये आवेदन महीनों पुरानी हो,
- एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार लिंक्डइन (Linked in) नामक पोर्टल पर 1.7 मिलियन नौकरियाँ 1 महीने से ज्यादा पुराने है, जो भूतिया नौकरी हो सकते हैं।
- अस्पष्ट नौकरी विवरण भी फर्जी का संकेतक है।

➢ सुझाव :

- कंपनियों एवं नौकरी पोस्टिंग प्लेटफॉर्म को अधिक पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए।
- लिंक्डइन, इनडीड एवं जिपरिक्रूटर जैसे प्लेटफॉर्म को साइट पर प्रदर्शित लिस्टिंग का विस्तृत विवरण देना चाहिये।
- कंपनियों द्वारा भर्ती प्रक्रिया के बाद अनिवार्य रूप से लिस्टिंग को अपडेट करते देना चाहिए।

Result Mitra TM